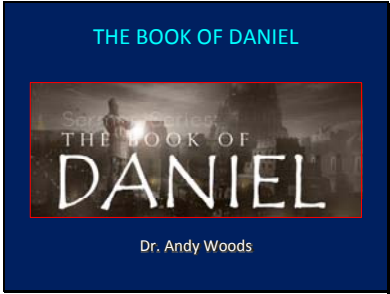


Slide 1




---

---

---

---

---

---

---

---

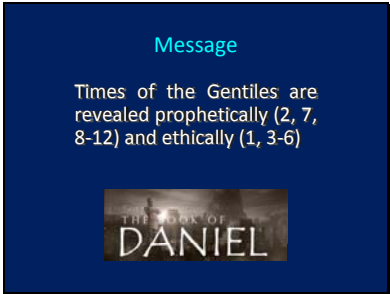
---

---

---

---

Slide 2




---

---

---

---

---

---

---

---

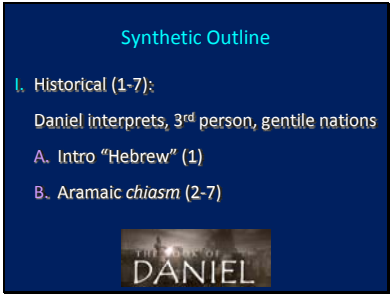
---

---

---

---

Slide 3




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 4

**Synthetic Outline**

**II. Prophetic (8-12):**  
Angel interprets, 1st person, Jewish nation, Hebrew

- A. Ram & Goat (8)
- B. 70 weeks (9)
- C. Final vision (10-12)



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 5

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 6

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

- A. Intro "Hebrew" (1)
- B. Aramaic *chiasm* (2-7)



---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 7

Synthetic Outline

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 8

Synthetic Outline

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 9

Statue  
&  
Stone



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 10

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

X

- 1. Gentile History (2)
- 2. **Protection (3)**
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 11

**Synthetic Outline**

B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)

X

- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. **Revelation to a gentile king (4)**
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**Succession of Gentile Rulers**

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**Succession of Gentile Rulers**

- **1-4: Nebuchadnezzar of Babylon**
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

Daniel's Age		
CHAPTER	EVENTS	AGE
1	Taken to Babylonian captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2nd dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-80's

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

Daniel's Age		
CHAPTER	EVENTS	AGE
1	Taken to Babylonian captivity	15
2	Interpreting Nebuchadnezzar's 1 <sup>st</sup> dream (huge image)	17
3	Daniel's 3 friends cast into the fiery furnace	19 or 20
4	Interpreting Nebuchadnezzar's 2nd dream (huge tree)	45-50
5	Interpreting handwriting of the wall at Belshazzar's feast	Early 80's
6	Delivered from the den of lions	c.83
7-8	Daniel's visions and dreams	Mid-60's
9	Daniel's seventy "sevens" prophecy	Early-80's
10-12	Final dreams and visions	Mid-80's

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 16

Chapter 4 Outline

- I. Introduction (1-3)
- II. Dream Described by Nebuchadnezzar (4-18)
- III. Dream Interpreted by Daniel (19-27)
- IV. Dream Fulfilled by God (28-37)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

Chapter 4 Outline

- I. Introduction (1-3)
- II. Dream Described by Nebuchadnezzar (4-18)
- III. Dream Interpreted by Daniel (19-27)
- IV. Dream Fulfilled by God (28-37)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

IV. Dream Fulfilled By God  
Daniel 4:28-37

- A. Nebuchadnezzar's insanity v. 28-33
- B. Nebuchadnezzar's humility v. 34-37



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

IV. Dream Fulfilled By God  
Daniel 4:28-37

A. Nebuchadnezzar's insanity v. 28-33

B. Nebuchadnezzar's humility v. 34-37



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 20

IV. Dream Fulfilled By God  
Daniel 4:28-37

A. Nebuchadnezzar's insanity v. 28-33

B. Nebuchadnezzar's humility v. 34-37



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 21

B. Nebuchadnezzar's Humility (34-37)

1. Nebuchadnezzar's Humiliation v. 34-35

2. Nebuchadnezzar's Restoration v. 36-37



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

**B. Nebuchadnezzar's Humility (34-37)**

1. **Nebuchadnezzar's Humiliation v. 34-35**
2. Nebuchadnezzar's Restoration v. 36-37



---

---

---

---

---

---

---

---

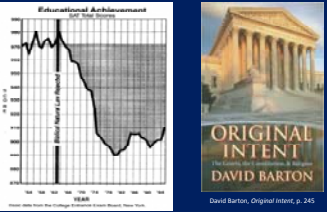
---

---

---

---

Slide 23



David Barton, Original Intent, p. 245

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

**Daniel 2:37-38 (NASB)**

You, O king, are the king of kings, to whom **the God of heaven has given** the kingdom, the power, the strength and the glory; <sup>38</sup> and wherever the sons of men dwell, or the beasts of the field, or the birds of the sky, **He has given them** into your hand and **has caused you** to rule over them all. You are the head of gold.



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25



---

---

---

---

---

---

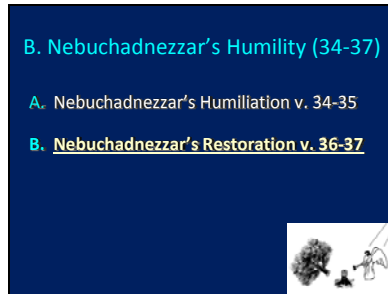
---

---

---

---

Slide 26



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 28

**Isaiah 9:6-7 (NASB)**

<sup>6</sup> For a child will be born to us, a son will be given to us; And the government will rest on His shoulders; And His name will be called Wonderful Counselor, Mighty God, Eternal Father, Prince of Peace.<sup>7</sup> There will be no end to the increase of His government or of peace, On the throne of David and over his kingdom, To establish it and to uphold it with justice and righteousness From then on and forevermore. The zeal of the Lord of hosts will accomplish this.



---

---

---

---

---

---

---

---

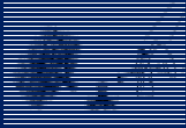
---

---

Slide 29

**Scripture and Pride**

- Prov 16:18
- Isa 14:12-15; Ezek 28:12-17
- 1 Tim 3:6
- Acts 12:21-23
- 2 Cor 12:7
- 1 Pet 5:5



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

**Hall of the Humbled**  
(Prov. 16:18; 1 Peter 5:5)

- Satan (Isa. 14:12-15; Ezek. 28:12-17; 1 Tim. 3:6)
- Uzziah (2 Chron 26:16)
- Herod (Acts 12:20-23)
- Paul (2 Cor 12:1-10)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 31



---

---

---

---

---

---

---

---

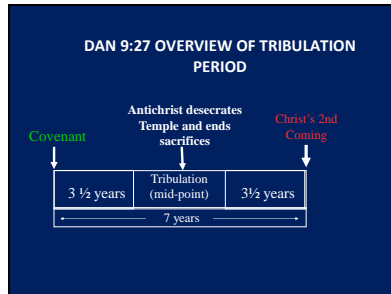
---

---

---

---

Slide 32



---

---

---

---

---

---

---

---

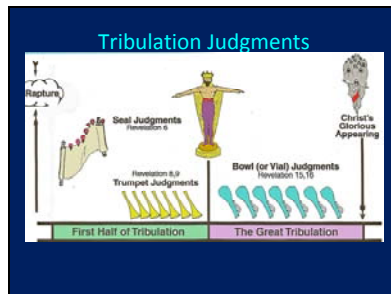
---

---

---

---

Slide 33



---

---

---

---

---

---

---

---

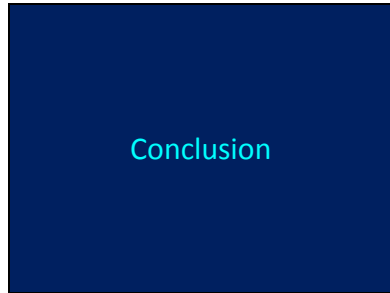
---

---

---

---

Slide 34




---

---

---

---

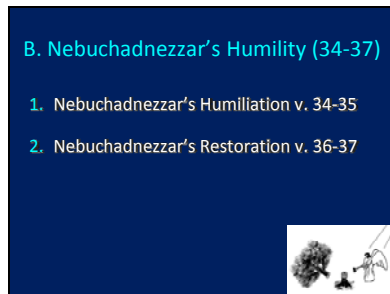
---

---

---

---

Slide 35




---

---

---

---

---

---

---

---

### 34a

Prov. 1:7-The fear of the LORD is the beginning of knowledge.

Ps. 14:1-The fool has said in his heart, "There is no God."

Rom 1:18-23-The For the wrath of God is revealed from heaven against all ungodliness and unrighteousness of men who suppress the truth [l]in unrighteousness, <sup>19</sup> because that which is known about God is evident [m]within them; for God made it evident to them. <sup>20</sup> For since the creation of the world His invisible attributes, His eternal power and divine nature, have

been clearly seen, being understood through what has been made, so that they are without excuse. <sup>21</sup> For even though they knew God, they did not [\[n\]](#)honor Him as God or give thanks, but they became futile in their speculations, and their foolish heart was darkened. <sup>22</sup> Professing to be wise, they became fools, <sup>23</sup> and exchanged the glory of the incorruptible God for an image in the form of corruptible man and of birds and four-footed animals and [\[o\]](#)crawling creatures.

Eccles. 9:3-This is an evil in all that is done under the sun, that there is one fate for all men. **Furthermore, the hearts of the sons of men are full of evil and insanity is in their hearts throughout their lives.** Afterwards they *go* to the dead.

### **34b-35**

Dan. 3:15b-Now if you are ready, at the moment you hear the sound of the horn, flute, [\[m\]](#)lyre, trigon, psaltery and bagpipe and all kinds of music, to fall down and worship the image that I have made, *very well*. But if you do not worship, you will [\[n\]](#)immediately be cast into the midst of a furnace of blazing fire; and **what god is there who can deliver you out of my hands?**”

Dan. 1:6-7-Now among them from the sons of Judah were Daniel, Hananiah, Mishael and Azariah. <sup>7</sup> Then the commander of the officials assigned *new* names to them; and to Daniel he assigned *the name* Belteshazzar, to Hananiah Shadrach, to Mishael Meshach and to Azariah Abed-nego.

Jonah 2:7- While [\[h\]](#)I was fainting away, I remembered the LORD, And my prayer came to You, Into Your holy temple.

2 Cor. 12:7-**Because** of the surpassing greatness of the revelations, **for this reason**, **to** keep me from exalting myself, there was given me a thorn in the flesh, a messenger of Satan **to** <sup>[b]</sup>torment me—**to** keep me from exalting myself!

Jas. 1:2-4- Consider it all joy, my brethren, when you encounter various <sup>[c]</sup>trials, <sup>3</sup> **knowing that the testing of your faith produces** <sup>[d]</sup>endurance. <sup>4</sup> And let <sup>[e]</sup>endurance have *its* perfect <sup>[f]</sup>result, so that you may be <sup>[g]</sup>perfect and complete, lacking in nothing.

### **37**

1 Cor. 10:31- Whether, then, you eat or drink or whatever you do, do all to the glory of God.

1 Sam. 17:26- Then David spoke to the men who were standing by him, saying, “What will be done for the man who kills this Philistine and takes away the reproach from Israel? For who is this uncircumcised Philistine, that he should taunt the armies of the living God?”

Dan. 2:47- The king answered Daniel and said, “Surely your God is a God of gods and a Lord of kings and a revealer of mysteries, since you have been able to reveal this mystery.”

Dan. 3:28-29- Nebuchadnezzar responded and said, “Blessed be the God of Shadrach, Meshach and Abed-nego, who has sent His angel and delivered His servants who put their trust in Him, <sup>[aa]</sup>violating the king’s command, and yielded up their bodies so as not to serve or worship any god except their own God.

<sup>29</sup> Therefore I make a decree that any people, nation or tongue that speaks anything offensive against the God of Shadrach,

Meshach and Abed-nego shall be torn limb from limb and their houses reduced to a rubbish heap, inasmuch as there is no other god who is able to deliver in this way.”

1 Cor. 3:6-I planted, Apollos watered, but God was causing the growth.

Rev. 19:11-And I saw heaven opened, and behold, a white horse, and He who sat on it *is* called Faithful and **True**, and in **righteousness** He judges and wages war.

John 14:6-Jesus \*said to him, “I am the way, and **the truth**, and the life; no one comes to the Father but through Me.

Prov. 11:1-A false balance is an abomination to the LORD, But a just weight is His delight.

Matt. 5:33-37-“Again, you have heard that <sup>[ag]</sup>the ancients were told, ‘<sup>[ah]</sup>YOU SHALL NOT <sup>[ai]</sup>MAKE FALSE VOWS, BUT SHALL FULFILL YOUR <sup>[aj]</sup>VOWS TO THE LORD.’ <sup>34</sup> But I say to you, make no oath at all, either by heaven, for it is the throne of God, <sup>35</sup> or by the earth, for it is the footstool of His feet, or <sup>[ak]</sup>by Jerusalem, for it is THE CITY OF THE GREAT KING. <sup>36</sup> Nor shall you make an oath by your head, for you cannot make one hair white or black. <sup>37</sup> But let your statement be, ‘Yes, yes’ *or* ‘No, no’; anything beyond these is <sup>[al]</sup>of evil.

Isa. 2:4-**And He will judge between the nations, And will <sup>[d]</sup>render decisions for many peoples**; And they will hammer their swords into plowshares and their spears into pruning hooks. Nation will not lift up sword against nation, And never again will they learn war.

Prov. 16:18- Pride *goes* before destruction, And a haughty spirit before stumbling.

Isa. 14:12-15- How you have fallen from heaven,  
O <sup>[g]</sup>star of the morning, son of the dawn!

You have been cut down to the earth,  
You who have weakened the nations!

<sup>13</sup> “But **you said in your heart**,

‘**I** will ascend to heaven;

**I** will raise my throne above the stars of God,

And **I** will sit on the mount of assembly

In the recesses of the north.

<sup>14</sup> ‘**I** will ascend above the heights of the clouds;

**I** will make myself like the Most High.’

<sup>15</sup> “Nevertheless you will be thrust down to Sheol,

To the recesses of the pit.

Ezek. 28:12-17-<sup>12</sup> “Son of man, take up a lamentation over the king of Tyre and say to him, ‘Thus says the Lord GOD,

“You <sup>[d]</sup>had the seal of perfection,

Full of wisdom and perfect in beauty.

<sup>13</sup> “You were in Eden, the garden of God;

Every precious stone was your covering:

The ruby, the topaz and the diamond;

The beryl, the onyx and the jasper;

The lapis lazuli, the turquoise and the emerald;

And the gold, the workmanship of your <sup>[e]</sup>settings and <sup>[f]</sup>sockets,

Was in you.

On the day that you were created

They were prepared.

<sup>14</sup> “You were the anointed cherub who <sup>[g]</sup>covers,



And I placed you *there*.  
You were on the holy mountain of God;  
You walked in the midst of the stones of fire.

<sup>15</sup> “You were blameless in your ways  
From the day you were created  
Until unrighteousness was found in you.

<sup>16</sup> “By the abundance of your trade  
<sup>[h]</sup> You were internally filled with violence,  
And you sinned;  
Therefore I have cast you as profane  
From the mountain of God.  
And I have destroyed you, O <sup>[i]</sup> covering cherub,  
From the midst of the stones of fire.

<sup>17</sup> “**Your heart was lifted up because of your beauty;  
You corrupted your wisdom by reason of your splendor.  
I cast you to the ground;**  
I put you before kings,  
That they may see you.

1 Tim. 3:6- *and* not a new convert, so that he will not become conceited and fall into the condemnation <sup>[d]</sup> incurred by the devil.

Acts 12:21-23-On an appointed day Herod, having put on his royal apparel, took his seat on the <sup>[i]</sup> rostrum and *began* delivering an address to them. <sup>22</sup> The people kept crying out, “The voice of a god and not of a man!” <sup>23</sup> And **immediately** an angel of the Lord struck him because he did not give God the glory, and he was eaten by worms and <sup>[k]</sup> died.

2 Cor. 12:7-10-**Because of the surpassing greatness of the revelations, for this reason, to keep me from exalting myself, there was given me a thorn in the flesh, a messenger of Satan**

**to [b]torment me—to keep me from exalting myself!**

<sup>8</sup> Concerning this I implored the Lord three times that it might leave me. <sup>9</sup> And He has said to me, “My grace is sufficient for you, for power is perfected in weakness.” Most gladly, therefore, I will rather boast [c]about my weaknesses, so that the power of Christ may dwell in me. <sup>10</sup> Therefore I am well content with weaknesses, with [d]insults, with distresses, with persecutions, with difficulties, for Christ’s sake; for when I am weak, then I am strong.

1 Pet. 5:5-6-You younger men, likewise, be subject to *your* elders; and all of you, clothe yourselves with humility toward one another, **for GOD IS OPPOSED TO THE PROUD, BUT GIVES GRACE TO THE HUMBLE.**<sup>6</sup> Therefore humble yourselves under the mighty hand of God, that He may exalt you at the proper time.

2 Chron. 26:16-But when he became strong, **his heart was so [m]proud that he acted corruptly,** and he was unfaithful to the LORD his God, for he entered the temple of the LORD to burn incense on the altar of incense.

Dan. 9:27- And he will make a firm covenant with the many for **one week,** but in the middle of the week he will put a stop to sacrifice and grain offering; and on the wing of [ae]abominations *will come* one who [af]makes desolate, even until a complete destruction, one that is decreed, is poured out on the one who [ag]makes desolate.

**Conclusion**

Num. 6:24-26- The LORD bless you, and keep you; <sup>25</sup> The LORD  
make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The  
LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'